मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 221, मुंबई, गुरुवार, 13 अक्टूबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
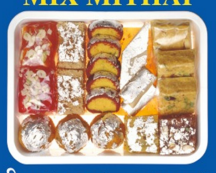
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

मुंबई में 16 से 30 अक्टूबर तक धारा 144

पांच से ज्यादा लोग इकट्ठे हुए तो एक्शन लेगी पुलिस

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने 16 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच मुंबई में जमावबन्दी का आदेश दिया है। यानी इन दिनों में मुंबई शहर में सीआरपीसी की धारा 144 लागू रहेगी। इसके तहत एक ही जगह पर 5 से ज्यादा लोगों के जमा होने और फ्लाइंग कंदील उड़ाने पर पाबंदी लगा दी गई है। किसी भी तरह की रैली, सार्वजनिक सामारोहों, पटाखेबाजी पर भी पाबंदी लगाई गई है। प्रदर्शन करने, नारेबाजी करने पर भी पाबंदी लगा दी गई है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ होगी कठोर कार्रवाई

इस आदेश के मुताबिक 5 या उससे ज्यादा लोग कहीं भी एक जगह पर इकट्ठे नहीं हो सकेंगे। इसके अलावा किसी भी जगह पर रैली, प्रदर्शन निकालने पर प्रतिबंध होगा। साथ ही लाउडस्पीकर, बैंड-बाजे, पटाखे फोड़ने पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। लेकिन रोजमर्रे के कामों और कार्यक्रमों को इस आदेश से अलग रखा गया है

नोटबंदी पर केंद्र और आरबीआई को नोटिस

9 नवंबर तक बताएं किस कानून से 1000-500 के नोट बंद किए: सुप्रीम कोर्ट

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोटबंदी पर केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक को नोटिस जारी किया है। 5 जजों की संविधान पीठ ने 9 नवंबर तक यह बताने को कहा है कि किस कानून के तहत 1000 और 500 रुपए के नोट बंद किए गए थे। कोर्ट ने सरकार और आईबीआई को हलफनामे में अपना जवाब देने को कहा है। याचिकाकर्ताओं की दलील है कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 26 (2) किसी विशेष मूल्यवर्ग के करेंसी नोटों को पूरी तरह से रद्द करने के लिए सरकार को अधिकृत नहीं करती है। धारा 26 (2) केंद्र को एक खास सीरीज के करेंसी नोटों को रद्द करने का अधिकार देती है, न कि संपूर्ण करेंसी नोटों को।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई हवाई अड्डे पर 1.63 करोड़ रुपये का सोना जब्त

दुबई से आए दो यात्री गिरफ्तार

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने दुबई से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे दो यात्रियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 3.07 किलोग्राम सोना जब्त किया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बरामद किए गए सोने की कीमत 1.63 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

संजय राउत का मां को पत्र

मुझ पर शिवसेना को धोखा देने का डाला गया था दबाव

नहीं मानने पर जेल में डाल दिया गया

मुंबई। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में जेल में बंद शिवसेना नेता संजय राउत ने दावा किया है कि उन पर अपनी पार्टी को धोखा देने का दबाव था, और इसे नहीं मानने के कारण उन्हें जेल में बंद कर दिया। अपनी गिरफ्तारी के एक हफ्ते बाद 8 अगस्त को अपनी मां को लिखे एक पत्र में राउत ने कहा कि शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और शिव सैनिक उनके अपने बच्चों की तरह हैं और जब तक वह जेल में रहेंगे, वे उनकी देखभाल करेंगे। राउत ने आरोप लगाया कि हर कोई जानता है कि उसे झूठे और फर्जी आरोपों के तहत फंसाया गया है और बंदूक की नोक पर उससे बयान लिए जाते रहे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सांसद संजय राउत ने अपनी मां के नाम एक भावुक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने लिखा है, मां अपना ध्यान रखना। मैं जल्दी वापस आऊंगा। जब तक ना आ जाऊं, तब तक उद्धव और असंख्य शिवसैनिक तुम्हारे बेटे हैं। जैसी तू मेरी मां है, वैसे ही शिवसेना हम सबकी मां है।मां के साथ बेईमानी करने का मुझपर दबाव था। सरकार के खिलाफ मत बोलो। महंगा पड़ेगा, यह धमकी दी गई थी। ऐसी धमकियों की मैं परवाह नहीं करता। इसी एक वजह से आज मैं तुमसे दूर हूं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अर्थशास्त्र के नोबेल

आज जब आर्थिक मंदी का खतरा दुनिया के सिर पर मंडरा रहा है और अमेरिका से लेकर यूरोप व दक्षिण एशिया तक सरकारें इससे बचने के लिए रोज-रोज हाथ-पैर मार रही हैं, तब बैंकिंग क्षेत्र के तीन गहन अध्येताओं और अमेरिकी अर्थशास्त्रियों बेन बर्नेन्की, डगलस डायमंड और फिलिप डिबविग को इस साल के अर्थशास्त्र के नोबेल से नवाजे जाने का महत्व समझा जा सकता है। आर्थिक मंदी के पीछे बैंकों व वित्तीय संस्थाओं की कितनी बड़ी भूमिका होती है, यह अब कोई छिपी हुई बात नहीं है। हम भूले नहीं हैं कि साल 2008 में अमेरिका की सबसे बड़ी वित्तीय संस्थाओं में से एक लेहमन ब्रदर्स के दिवालिया होने के बाद कैसे एक के बाद दूसरे बैंक व वित्तीय संगठन धराशायी हो गए थे और विश्व भर की अर्थव्यवस्थाओं को भारी संकट का सामना करना पड़ा था। ऐसे में, इन तीनों अर्थशात्रियों का काम काफी महत्वपूर्ण है, जो बताता है कि संकट के दौरान बैंकों की भूमिका कितनी बड़ी होती है और उन्हें धराशायी होने से बचाने के लिए किस-किस तरह के कदम उठाए जाने चाहिए। यह महज संयोग नहीं था कि 2008 की आर्थिक मंदी से भारत बहुत हद तक बच गया। दरअसल, तब देश की बागडोर एक अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री के हाथों में थी, जो भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर भी रह चुके थे और ऐसे किसी भी हालात से निपटने में बैंकिंग क्षेत्र के रोल से वाकिफ थे। मनमोहन सिंह सरकार ने तब फौरन 30,700 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी, और दूसरे तमाम बजटीय प्रावधान किए थे। अर्थशास्त्री बेन बर्नेन्की का भी कहना है कि पिछली सदी के तीसरे दशक में जो वैश्विक महामंदी आई थी, उसका एक बड़ा कारण प्रोत्साहन नीति का न होना तो था ही, बैंकों का धराशायी होते जाना भी था। बैंकों के पास ऐसी नीतियों का घोर अभाव था कि वे दिए गए कर्जों का उत्पादक इस्तेमाल सुनिश्चित कर पाते। इस नीतिगत कमी ने न सिर्फ अर्थव्यवस्थाओं को गंभीर नुकसान पहुंचाया, बल्कि मंदी की अवधि को भी विस्तार दे दिया। बर्नेन्की जहां बैंकों की विफलता के बाद की स्थिति के बारे में बताते हैं, तो वहीं डायमंड-डिबविग बताते हैं कि बैंक धराशायी क्यों हुए थे? बकौल डायमंड-डिबविग, बैंक जमाकर्ताओं के भरोसे को बहाल रखने में नाकाम हो गए थे, इसलिए उनकी हालत खराब होने की अफवाह क्या उड़ी, खाताधारक अपना जमा धन निकालने के लिए एक साथ बैंकों की ओर दौड़ पड़े। चूंकि बैंकों ने लंबी अवधि के लिए कर्ज दे रखा था, अतः फौरन वसूली में वे सक्षम न थे। इसी नीतिगत कुप्रबंधन ने उनकी लुटिया डुबोई। नोबेल सम्मान की प्रतिष्ठा और प्रासंगिकता अब तक अक्षुण्ण है, तो इसकी एक बड़ी वजह यह है कि इसके सम्मानितों का योगदान भविष्य की बेहतरी के लिहाज से बड़ा रहा है। विज्ञान, अर्थशास्त्र, साहित्य या विश्व-शांति से जुड़े हुए इन सम्मानित लोगों ने तंत्र और इंसानियत को रास्ता दिखाने का काम किया है। निस्संदेह, नोबेल सम्मान भी विवादों और आलोचनाओं से परे नहीं हैं, बल्कि हाल के वर्षों में कई नोबेल सम्मानों को लेकर काफी टीका-टिप्पणी भी हुई, पर एक लोकतांत्रिक विश्व में ऐसी आलोचनाओं, ऐसे विमर्शों का स्वागत ही किया जाना चाहिए। अलबत्ता, इन तीनों अर्थशात्रियों ने जो बातें बताई हैं, वे वित्तीय तंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं और यकीनन दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को उनकी स्थापनाओं से मदद मिलेगी।

राहुल के अच्छे अडानी, बुरे अडानी!

राहुल गांधी अडानी के ऊपर हमले को जिस ऊंचाई पर ले गए थे वहां से उनकी जैसी वापसी हुई है वह बेहद दयनीय है। उनको पहले ही सोचना चाहिए था कि वे नाम लेकर एक कारोबारी के ऊपर हमले न करें। अगर हमला किया और उनका कन्विक्शन है कि अडानी समूह गलत है तो उनको उसी पर टिके रहना चाहिए। वहां से पीछे हटना उनके अब तक किए कराए पर पानी फेरने वाला होगा।

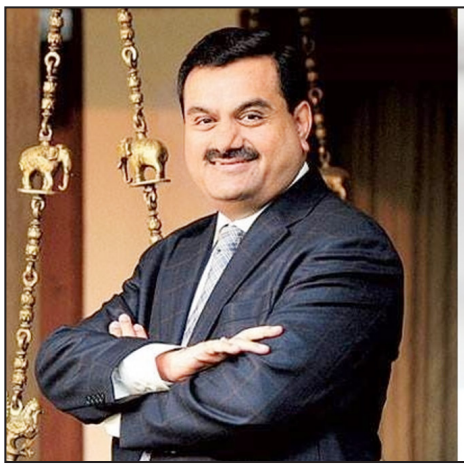

भारत जोड़ो यात्रा कर रहे राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते कर्नाटक के तुरुवेकेर में प्रेस कांफ्रेंस की तो जिस सवाल को लेकर सबसे ज्यादा दिलचस्पी थी वह ये थी कि राजस्थान में अडानी समूह के 65 हजार करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव पर राहुल गांधी क्या कहते हैं? इस प्रेस कांफ्रेंस से ठीक पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ गौतम अडानी की फोटो आई थी और खबर थी कि अडानी समूह राजस्थान में 65 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगा। यह पूरा प्रकरण राजस्थान सरकार की ओर से आयोजित 'इन्वेस्ट राजस्थान' कार्यक्रम का था। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि अडानी-अंबानी हों या जय शाह हों, सबका स्वागत है क्योंकि राजस्थान को निवेश चाहिए और उसे अपने नौजवानों को रोजगार देना है। सो, गहलोत ने बाहें फैला कर अडानी का स्वागत किया।

इस बारे में जब पूछा गया तो राहुल गांधी का जवाब था- मैं कॉरपोरेट के खिलाफ नहीं हूं। मैं मोनोपॉली के खिलाफ हूं। राजस्थान में प्रक्रिया के हिसाब से वहां सब कुछ सही है। सरकार ने कोई पावर यूज कर वहां अडानी को फायदा नहीं पहुंचाया है। अगर, कभी फायदा पहुंचाया जाएगा, तो मैं सबसे पहले विरोध करुंगा। पहली नजर में राहुल के इस रिस्पांस में कुछ भी गलत नहीं है। कोई भी पार्टी या नेता किसी कॉरपोरेट के खिलाफ क्यों होगा या कोई भी पार्टी अपने शासन वाले राज्य में किसी भी निवेश का विरोध क्यों करेगी? लेकिन क्या अडानी समूह का मामला इतना सरल है, जितना किसी भी कॉरपोरेट का होता है? क्या राहुल गांधी की नजर में गौतम अडानी किसी भी अन्य कॉरपोरेट लीडर की तरह ही हैं? क्या वे सिस्टम को मैनिपुलेट करके मोनोपॉली बनाने वाले कारोबारी नहीं हैं? फिर क्यों वे अडानी-अंबानी का नाम लेकर उनको निशाना बनाते रहे थे? क्या राहुल गांधी अडानी के मामले में अपनी पुरानी राय से पलट रहे हैं? क्या वे अडानी की बजाय सिर्फ केंद्र की भाजपा सरकार को गलत मान रहे हैं? और सबसे बड़ा सवाल है कि क्या वे आगे अडानी समूह को निशाना बनाएंगे या राजस्थान में निवेश का प्रस्ताव पेश करके अडानी समूह के सारे कथित पाप धुल गए? इन सवालों का जवाब खोजने से पहले यह देखें कि राहुल गांधी किस बात के लिए अडानी पर हमला करते रहे हैं। वे हमेशा अडानी को प्रधानमंत्री का क्रोनी बताते रहे हैं। उनका आरोप है कि सारी प्रक्रियाओं का उल्लंघन करके अडानी समूह को ठेके दिए जा रहे हैं और सरकारी संपत्ति उनके हाथों औने-पौने दाम में बेची जा रही है। उनके आरोप हैं कि सरकारी बैंकों में जमा आम लोगों का पैसा अडानी समूह को मनमाने तरीके से दिया जा रहा है।

अडानी समूह के बारे में स्वतंत्र एजेंसियों की जो रिपोर्ट है उसमें भी कहा गया है कि कंपनी 'ओवर लिवरेज्ड' है यानी कंपनी को जरूरत से ज्यादा सुविधाएं मिल रही हैं और उसकी हैसियत बढ़ाई जा रही है। कंपनी के ऊपर दो लाख 60 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है और यह भी रिपोर्ट आई है कि जरा सी भी गड़बड़ी हुई तो कंपनी के साथ साथ देश के अनेक बैंकों का भट्ठा बैठेगा और देश की अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह से डगमगा जाएगी। कंपनी के पास ठोस पूंजी नहीं है और उसकी जो भी हैसियत है वह शेयर बाजार में कृत्रिम तरीके से लाई गई तेजी की वजह से है। उनकी कंपनियों के शेयरों के भाव अनाप-शनाप बढ़े हैं, जिससे उनकी पूंजी बढ़ी हुई दिखती है। उनकी एक एक कंपनी की बाजार पूंजी उस कंपनी के वास्तविक राजस्व से हजार गुना तक ज्यादा है, जबकि दूसरी कंपनियों के मामले में यह तीन-चार गुना ही ज्यादा है। यह भी तथ्य है कि गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं, जिनकी सात कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं इसके बावजूद फॉर्चून 500 यानी दुनिया की सबसे बड़ी पांच सौ कंपनियों में उनकी एक भी कंपनी नहीं है। ये सब कुछ स्वतंत्र एजेंसियों की रिपोर्ट से जाहिर हुई हकीकत है और अडानी समूह को इन बातों को लेकर कठघरे में खड़ा किया जाता है। उसको इसलिए क्रोनी कहा जाता है क्योंकि ऐसे आरोप लगे हैं कि सरकारी एजेंसियों की ओर से दूसरी कंपनियों पर दबाव डाल कर उनको बाध्य किया गया कि वे अडानी को अपनी कंपनी बेचें। ये आपराधिक आरोप हैं। इसलिए अडानी समूह का मामला किसी दूसरे कॉरपोरेट की तरह का नहीं है। अडानी समूह के मामले में राहुल गांधी चुनिंदा रवैया नहीं अख्तियार कर सकते हैं। अब तक वे जिस तरह से और जिन बातों के लिए अडानी समूह की आलोचना करते रहे हैं उसे देखते हुए राजस्थान में निवेश के प्रस्ताव पर उनका पहला स्वाभाविक सवाल होना चाहिए था कि अडानी समूह कहां से 65 हजार करोड़ रुपए लाएगा? खुद राहुल गांधी और उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ आरोप लगाते रहे हैं कि अडानी समूह के पास कोई पूंजी नहीं है और बैंकों में जमा आम आदमी का पैसा उसको उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि वह अपने कारोबार का विस्तार कर सके। फिर भी किसी ने यह नहीं पूछा कि राजस्थान में निवेश के लिए कंपनी कहां से पैसा लाएगी? जब कंपनी कहीं और निवेश की बात करती है या कोई नया बिजनेस खरीदने की बात करती है तो इस बात के लिए उसकी आलोचना होती है कि बैंकों का पैसा मनमाने तरीके से उसको दिया जा रहा है। फिर यह सवाल राजस्थान में निवेश के बारे में भी पूछा जाना चाहिए था।

अब तक अडानी बुरे थे, क्रोनी थे, उनके लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा था, बैंकों में जमा पैसा उनको देकर आम आदमी की गाढ़ी कमाई से खिलवाड़ हो रहा था और अब अडानी समूह किसी भी दूसरे कॉरपोरेट घराने की तरह एक सामान्य कारोबारी घराना हो गया, जो राजस्थान में निवेश करने जा रहा है! क्या अब अडानी समूह केंद्र सरकार का क्रोनी नहीं है? क्या अब अडानी समूह मोनोपॉली नहीं बना रहा है? क्या अब अडानी समूह के लिए सिस्टम का इस्तेमाल नहीं हो रहा है? राहुल गांधी को समझना होगा कि अच्छे अडानी और बुरे अडानी का खेल नहीं हो सकता है। अडानी समूह अब भी लॉजिस्टिक से लेकर हवाईअड्डे और बंदरगाहों पर एकाधिकार बना रहा है। खाने-पीने की चीजों के उत्पादन से लेकर भंडारण तक पर उसका एकाधिकार बन रहा है। मीडिया पर उसकी मोनोपॉली बन रही है। ग्रीन एनर्जी और बुनियादी ढांचे के निर्माण में प्रवेश के साथ ही कंपनी इस सेक्टर की सबसे बड़ी खिलाड़ी बन रही है। इन सबको देखते हुए सिर्फ इसलिए उस पर सवाल उठाया जाना बंद नहीं किया जा सकता है कि अब उस समूह ने एक कांग्रेस शासित राज्य में निवेश का प्रस्ताव पेश किया है। राहुल गांधी अडानी के ऊपर हमले को जिस ऊंचाई पर ले गए थे वहां से उनकी जैसी वापसी हुई है वह बेहद दयनीय है। उनको पहले ही सोचना चाहिए था कि वे नाम लेकर एक कारोबारी के ऊपर हमले न करें। अगर हमला किया और उनका कन्विक्शन है कि अडानी समूह गलत है तो उनको उसी पर टिके रहना चाहिए। वहां से पीछे हटना उनके अब तक किए कराए पर पानी फेरने वाला होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

सावधान! क्रिप्टो माइनिंग ऐप के जाल में फंसे 31 लोग

45 लाख की हुई धोखाधड़ी

सोलापुर। इंटरनेट और टैक्नोलॉजी की इस दुनिया में अब सबकुछ ऑनलाइन होता जा रहा है। जैसे-जैसे ऑनलाइन सर्विस का चलन बढ़ा है, वैसे वैसे लोग धोखाधड़ी के शिकार होते जा रहे हैं। आय दिन हमारे आसपास किसी ना किसी के ऑनलाइन धोखाधड़ी के जाल में फंसने की घटनाएं सुनने को मिलती हैं। ताजा मामला महाराष्ट्र के सोलापुर का है, जहां 31 लोगों से 45 लाख रुपये की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। सोलापुर में जिन 31 लोगों से 45 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई है, उन्होंने क्रिप्टो क्लाउड माइनिंग ऐप के जरिये निवेश किया था। पुलिस ने शिकायतों के हवाले से यह जानकारी दी।क्लाउड माइनिंग एक ऐसा तंत्र है, जो किराये के क्लाउड

कम्युटिंग सर्वर का इस्तेमाल कर हार्डवेयर या संबंधित सॉफ्टवेयर को इंस्टॉल किए बिना ही बिटक्वाइन जैसी क्रिप्टोकरेंसी को भुनाने की सुविधा देता है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा, निवेशकों से सीसीएच क्लाउड माइनर ऐप और क्रिप्टो लेन-देन ऐप को डाउनलोड करने के लिए कहा गया था। उन्हें क्रिप्टो लेन-देन ऐप के जरिये अपनी भारतीय मुद्रा को डॉलर में परिवर्तित करने और सीसीएच क्लाउड माइनर ऐप में निवेश करने का लालच दिया गया था। अधिकारी के मुताबिक, अब तक 31 लोगों ने पुलिस से संपर्क कर धोखाधड़ी की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि कुछ निवेशकों को शुरूआत में भुगतान मिला था। पुलिस निरीक्षक उदयसिंह पाटिल ने कहा, हमने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिन्होंने लोगों को बेहतर मुनाफा मिलने का लालच देकर ये ऐप डाउनलोड करने और रकम निवेश करने को कहा था। ये तीनों लोग सोलापुर में आभूषण के कारोबार से जुड़े हुए थे। एक शिकायतकर्ता राम जाधव ने दावा किया कि उसने 4।28 लाख रुपये निवेश किए थे। जाधव के अनुसार, ऐप अब काम नहीं कर रहा और तीनों का कार्यालय भी बंद है। ध्यान दें,जब भी आपको कोई मेल, टेक्स्ट, या ब्राउजर पर कोई लिंक मिलता है, तो सावधानी बरतें। इस तरह के लिंक को खोलने से आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते हैं। ये लिंक आपको आकर्षक ऑफर्स देकर अपने जाल में फंसाते हैं और फिर आपसे बड़ी रकम ऐंठ लेते हैं।

फर्जी दस्तावेजों पर कोविड केंद्रों का ठेका प्राप्त करने वाली फर्म की जांच करेगी ईओडब्ल्यू

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। कोविड-19 के प्रकोप के दौरान लापरवाही से मौत और जंबो केंद्रों के संचालन के लिए फर्जी दस्तावेज मुहैया कराने के मामले में एक अस्पताल प्रबंधन फर्म के खिलाफ जांच मुंबई पुलिस की अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दी गई है।एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मामले में जांच अब तक मुंबई पुलिस कर रही थी जिसने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद किरीट सोमैया की शिकायत पर फर्म और उससे जुड़े चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। अधिकारी ने बताया कि मामले को आगे की जांच के लिए अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, जून 2020 में अस्पताल प्रबंधन फर्म के भागीदारों ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को एक फर्जी साझेदारी दस्तावेज प्रस्तुत किया और एनएसईएल, वर्ली, मुलुंड, दहिसर (मुंबई में) तथा पुणे में जंबो कोविड -19 केंद्रों के लिए अनुबंध प्राप्त कर लिया जबकि उसे चिकित्सा क्षेत्र में कोई अनुभव नहीं था। इसमें कहा गया कि फर्म ने इन केंद्रों के बिल बीएमसी को जमा किए थे और 38 करोड़ रुपये एकत्र किए थे।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग पार्टी की महिला अध्यक्ष फरहत शेख और मुंब्रा पुलिस की एपीआई कृपाली बोरसे को अवार्ड से किया गया सम्मानित

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। हर साल की तरह इस साल भी जुलूस ईद मिलादुन्नबी कमेटी मुंब्रा ने शहर में ईद मिलादुन्नबी का जुलूस का कार्यक्रम आयोजन किया आपको बता दें यह ईद मिलादुन्नबी का जुलूस हजरत मोहिन मियां साहब के नेतृत्व में निकाला जाता है जिसमें मुंब्रा शहर के लाखों लोगों की उपस्थिति देखी जाती है यह जुलूस जीवन बाग से प्रारंभ होकर दत्ता वाडी से गश्त करता हुआ मुंब्रा के शहंशाह हजरत ख्वाजा सैयद फखरुद्दीन शाह कादरी चिश्ती रहमतुल्ला ताला अलैहे की मजार शरीफ पर संपन्न होता है उसके बाद ईशा की नमाज के बाद हजरत ख्वाजा सैयद फखरुद्दीन शाह कादरी रहमतुल्ला ताला अलैहे की मजार शरीफ के पास जुलूस कमेटी द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें मुंब्रा शहर के सभी उच्चस्तरीय लोगों

की उपस्थिति देखी गई कार्यक्रम का आयोजन मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग पार्टी के मुंब्रा की तेजतर्रार नेता फरहत शेख को उनके कामों को देखते हुए आयरन लेडी ऑफ मुंब्रा के अवार्ड से और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया इस मौके पर मुंब्रा पुलिस स्टेशन की एपीआई कृपाली बोरसे को भी जुलूस कमेटी ऑफ मुंब्रा की तरफ से अवार्ड और पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया ईद मिलादुन्नबी जुलूस के कार्यक्रम में उपस्थित इकबाल अशरफी फाजिल अशरफी एनसीपी के महासचिव सैयद अली अशरफ मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग डिटेक्शन ब्रांच की एपीआई कृपाली बोरसे एनसीपी के पूर्व नगरसेवक शानू अशरफ पठान मौलाना सैयद शब्बाब अहमद समाजवादी पार्टी के आदिल खान आजमी पुजारी सुरेश पाटिल जगत सिंह अयाज अहसन जमैतुलमुस्लिम के ट्रेजर मुनाफ सिद्दीकी के अलावा इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई में 16 से 30 अक्टूबर तक धारा 144

लेकिन किसी भी तरह के विवाह समारोह, अंत्यविधि और अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में कोई रोक नहीं होगी। किसी भी सिनेमा घर,नाटक घर के आसपास प्रदर्शन करने पर पाबंदी होगी। यह आदेश मुंबई पुलिस कमिश्नर की ओर से जारी किया गया है। आदेश जारी करते हुए मुंबई पुलिस ने एक लेटर इशू किया है। इस पत्र के द्वारा यह जानकारी दी गई है। इस पत्र में लिखा है कि वर्तमान हालात को देखते हुए बृहनमुंबई पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इलाकों में यह आदेश लागू होगा। यह आदेश 16 अक्टूबर की रात 12 बजे से 30 अक्टूबर की रात 12 बजे तक लागू रहेगा। दिवाली के इन 15 दिनों तक महानगरपालिका क्षेत्र में आने वाले सभी इलाकों में यह आदेश लागू होगा। मुंबई पुलिस द्वारा जारी किए गए लेटर में आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है। 1951 मं दिए गए अधिकारों के तहत, संजय लाटकर, पुलिस उपायुक्त (कानून व्यवस्था) ने मुंबई महानगरपालिका के सीमाक्षेत्र में आने वाले इलाकों में 16 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक जमावबंदी का आदेश जारी किया है। शहर में शांति और सुव्यवस्था बनाए रखे के लिए यह फैसला किया गया है। 11 अक्टूबर को इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। यह लागू 16 अक्टूबर की रात 12 बजे से हो जाएगा। इस आदेश के मुताबिक 5 या उससे ज्यादा लोग कहीं भी एक जगह पर इकट्ठे नहीं हो सकेंगे। इसके अलावा किसी भी जगह पर रैली, प्रदर्शन निकालने पर प्रतिबंध होगा। साथ ही लाउडस्पीकर, बैंड-बाजे, पटाखे फोड़ने पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। लेकिन रोजमर्रे के कामों और कार्यक्रमों को इस आदेश से अलग रखा गया है।

संजय राउत का मां को पत्र

राउत को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1 अगस्त को मुंबई में पात्रा 'चॉल' के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। ईडी की जांच उपनगरीय गोरेगांव में चॉल या घरों के पुनर्विकास से संबंधित 1,034 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं और कथित रूप से उनकी पत्नी और सहयोगियों से संबंधित वित्तीय लेनदेन से संबंधित है। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के कार्यकारी संपादक राउत ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों लोकमान्य तिलक और विनायक दोमादार सावरकर को समान व्यवहार का सामना करना पड़ा था। आपकी तरह शिवसेना भी मेरी मां है। मुझ पर अपनी मां (पार्टी) को धोखा देने का दबाव था। सरकार के खिलाफ न बोलने की धमकी दी गई थी क्योंकि यह महंगा साबित होगा। मैंने खतरे पर ध्यान नहीं दिया, इसलिए मैं आपसे दूर हूं। इस पत्र को उन्होंने बुधवार को ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे, जो शिवसेना के एक धड़े का नेतृत्व करते हैं, उनके प्रिय मित्र और नेता हैं। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का सामना करना मुश्किल होगा यदि उन्होंने उद्धव का साथ उनके कठिन समय में छोड़ दिया।

मुंबई हवाई अड्डे पर 1.63 करोड़ रुपये का सोना जब्त

मुंबई हवाई अड्डे के सीमा शुल्क अधिकारी के मुताबिक बरामद किए गए सोने को पाउडर को मोम का आकार देकर भीतरी वस्त्रों में छिपाकर रखा गया था। इस सिलसिले में गिरफ्तार किए गए दोनों लोग भारतीय मूल के हैं। सोने को दो पैकेटों में छिपाकर रखा गया था। गिरफ्तार किए गए यात्रियों में एक पुरुष और महिला है। एक पुरुष और एक महिला को सीमा शुल्क अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने कहा कि उन्हें एक अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नोटबंदी पर केंद्र और आरबीआई को नोटिस

अब इसी का जवाब सरकार और आईबीआई को देना है। सुप्रीम कोर्ट में इस सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग हुई थी। इससे पहले 28 सितंबर को पांच जजों की बेंच ने इस मामले में सुनवाई की थी। तब बेंच ने यह कहकर कार्यवाही को टाल दिया था कि कोर्ट के पास और भी कई महत्वपूर्ण और अधिकारों से जुड़े मामले हैं। 2016 में विवेक शर्मा ने याचिका दाखिल कर सरकार के फैसले को चुनौती दी। इसके बाद 58 और याचिकाएं दाखिल की गईं। अब तक सिर्फ तीन याचिकाओं पर ही सुनवाई हो रही थी। अब सब पर एक साथ सुनवाई होगी। यह सुनवाई जस्टिस एस.अब्दुल नजीर की अध्यक्षता में होगी। 16 दिसंबर 2016 को ही ये केस संविधान पीठ को सौंपा गया था, लेकिन तब बेंच का गठन नहीं हो पाया था। 15 नवंबर 2016 को उस समय के चीफ जस्टिस टीएस ठाकुर ने मोदी सरकार के इस फैसले की तारीफ की थी। चीफ जस्टिस ने कहा था- नोटबंदी की योजना के पीछे सरकार की जो मंशा है वो तारीफ के लायक है। हम आर्थिक नीति में दखल नहीं देना चाहते, लेकिन हमें लोगों को हो रही असुविधा की चिंता है।

दिवा निवासी और साधारण शिवसैनिक एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में बालासाहेब की शिवसेना के प्रति निष्ठा से रहेंगे: उप महापौर रमाकांत मड़वी

ठाणे। जबकि दिवा में कई शिव सैनिक और कार्यकर्ता भ्रमित थे, आखिरकार माननीय बालासाहेब की शिवसेना अंत से मुख्यमंत्री के नेतृत्व में थी और अब यह बड़ी ताकत से काम करने के लिए तैयार है। दिवा के उप महापौर रमाकांत मढवी जी ने इस अवसर पर समझाया। माननीय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद के नेतृत्व में मढवी जी ने कहा कि धन मुहैया कराकर कई कार्य शुरू किए गए हैं और वे भविष्य में दिवा के लोगों की सेवा के लिए तैयार हैं और बालासाहेब की शिवसेना बालासाहेब के विचारों की शिवसेना है और वे हिंदुत्व और हिंदुत्व के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा तैयार हैं। मराठी लोग, शिवसैनिक कार्यकर्ताओं की जीत हुई है। दिवा शहर ठाणे जिले में बालासाहेब की शिवसेना का गढ़ है और इसकी शिदोरी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में रमाकांत मढवी के हाथों में है, इसलिए यह किला अभेद्य है और इसके तहत आगे बढ़ रहा है। माननीय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मार्गदर्शन के साथ ही साधारण कार्यकर्ता या शिवसैनिक बालासाहेब के विचारों को छोड़ने वालों का अनुसरण नहीं करेंगे। माधवी जी ने यह भी कहा कि शिव सैनिक एकनाथ शिंदे के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। दिवा के विकास के लिए एकनाथ शिंदे ने सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की अध्यक्षता में कई अहम फैसले लिए और फंड आवंटित कर विकास कार्यों की शुरूआत की। कोरोना काल में भी, एकनाथ शिंदे जी ने दीवा के लोगों के लिए दौड़े। और सुविधा निर्माण की रमाकांत माधवी जी ने समझाया कि दिवा के लोग यह भी जानते हैं कि दीवा में सबसे बड़ा और पहला 10,000 वैक्सीन कोरोना लस्सीकरण उत्सव उनके मजबूत पृष्ठभूमि मे दिवा में आयोजित किया गया था और इसलिए कोई विकल्प नहीं है बालासाहेब की शिवसेना के बिगर दिवा शहर वासीयोंको असे भी मढवी ने बताया।

एक्टर डायरेक्टर इमरान हसनी, निर्माता प्रशांत सिंह की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म हाई टाइड का ट्रेलर लॉन्च

बॉलीवुड फिल्म 'पान सिंह तोमर' में इरफान खान के साथ और डी डे में ऋषि कपूर के साथ काम करने वाले एक्टर इमरान हसनी अब निर्देशक भी बन गए हैं। इमरान हसनी की जल्द आने वाली फिल्म हाई टाइड का ट्रेलर आज मुम्बई के ऐ.जे. स्टूडियो में लॉन्च किया गया, जहां फिल्म के कलाकारों सहित निमार्ता प्रशांत सिंह भी उपस्थित थे। इमरान हसनी ने इस फिल्म को निर्देशित भी किया है और मुख्य भूमिका भी निभाई है। यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के संघर्ष की कहानी है, जो मुश्किल हालात में फंस जाता है, जहां उसकी जिंदगी के बारे में कुछ कहना मुश्किल होता है। हर बीतता हुआ पल ज़िन्दगी और मौत के बीच का फासला कम करता जा रहा है। फिल्म में इमरान हसनी के अलावा दधि आर पाण्डेय, तरुणा सिंह, सुधाकर मणि, मेघा जोशी, अदनान हसनी, अमित सिन्हा और नवी रौतेला ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ट्रेलर लॉन्च पर इमरान हसनी, प्रोड्यूसर प्रशांत सिंह, एक्ट्रेस मेघा जोशी और कॉस्ट्यूम डिजाइनर जेबीना हसनी मौजूद थीं। फिल्म के निर्माता प्रशांत सिंह इस सस्पेंस थ्रिलर सिनेमा के संगीतकार भी हैं। उन्होंने कहा कि हाई टाइड एक अलग सा सिनेमा है, एक सरवाइवल ड्रामा है जिसे इमरान हसनी ने बखूबी डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में एक थीम सांग है 'ऐ आसमान वाले' जिसे शकील आजमी ने लिखा है और कृष्णा बेउरा ने इसे बड़ी शिद्दत से गया है।

पीत पत्रकारिता से रहें कोसों दूर, निडर हो सच को सच कहें: डॉ अरविंद वर्मा

'पीत पत्रकारिता का समाज पर दूषित प्रभाव' विषयक परिचर्चा का आयोजन

खगड़िया। पीत पत्रकारिता का समाज पर दूषित प्रभाव विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ट पत्रकार सह समाज में डॉ अरविन्द वर्मा ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ वर्मा ने कहा आज पत्रकारिता क्षेत्र में भी अतिक्रमण हो रहा है। अधकचरे और कम पढ़े लिखे नौजवानों का प्रवेश हो गया है, जिसका मुख्य पेशा हो गया है भयादोहन करना, धौंस जमा कर लोगों से उगाही करना। इससे पीत पत्रकारिता को बढ़ावा मिलता है।ऐसे पीत पत्रकार हमेशा प्रशासन के टारगेट में रहते हैं। इनकी मानसिकता ही नकारात्मक होती है। आगे डॉ वर्मा ने कहा आज भी लोगों को चौथे स्तंभ पर पूरा भरोसा है इसलिए पीत पत्रकारिता जैसे वायरस से समाज पर दूषित प्रभाव नहीं पड़े, इसका ख्याल रखना चाहिए। डॉ वर्मा ने आज के नौजवान पत्रकारों से अपील किया कि क्षणिक सुख के लिए आम जनता से विश्वासघात नहीं करें और पीत पत्रकारिता से कोसों दूर रहें। फरकिया क्षेत्र के चर्चित समाज सेवी चंद्रशेखर मंडल ने वरिष्ठ पत्रकार सह समाज सेवी डॉ अरविन्द वर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और कहा डॉ वर्मा ने चौथे स्तंभ की गरिमा को अबतक बनाए रखा। डॉ वर्मा समाज के हितकारी समाचारों को निर्भय होकर हमेशा प्रकाशित करते रहे। पीत पत्रकारिता से कोसों दूर रहे। इनकी सोच सकारात्मक रही है। समाज सेवी चंद्रशेखर मंडल ने कहा मैं सही और सच्चे पत्रकारों के साथ हूं और साथ रहूंगा। महिला पत्रकार एवं प्रभा महिला विकास समिति की सचिव इन्दु प्रभा ने अपने अखबार के स्थापना काल से अब तक के सफरनामे से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने खट्टे मीठेअनुभवों को भी शेयर किया। आगे उन्होंने कहा पहला अखबार कंपोजिंग कराकर ट्रेडिल प्रिंटिंग मशीन पर छपवाकर प्रकाशित किया गया था। आज युग बदल गया, इसलिए हमें भी बदलना पड़ा। अब हमलोग डिजिटल युग में जी रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से अपील किया कि टीआरपी बढ़ाने के चक्कर में नहीं पड़ें, सच को निडर हो लिखें, जनता के समक्ष प्रमाणित तथ्य ही उजागर करते रहें। परिचर्चा का आयोजन एक अखबार के स्थापना दिवस पर किया गया था। परिचर्चा में भाग लेने वालों में प्रमुख थे वरिष्ठ पत्रकार अरुण कुमार वर्मा, सुरेश नायक, अजय वर्मा, साहिल आनन्द, गौरव वर्मा, एडवोकेट प्रियवर्त सिंह, आर आर वर्मा तथा सुरेश कुमार आदि।

जूनियर मेहमूद अब 'राम और श्याम'

एक वो जमाने था 1970/1980 का, उस समय के बाल कलाकारों में एक नाम बहुत ही प्यार दुलार से हर एक की जबान पर था 'जूनियर मेहमूद', जिन्होंने ने फिल्म जगत के दिगज कलाकारों में राजेश खन्ना, जितेंद्र, मुमताज, संजीव कुमार, शम्मी कपूर, शशि कपूर, दारा सिंह, शेख मुखतार, आशा पारेख, मेहमूद, जानी वॉकर जैसे कलाकारों के साथ काम किया और खूब वाह वाही बटोरी, फिर समय के साथ साथ बहुत सी मराठी सिनेमा के निमार्ता और निर्देशक बने। जूनियर मेहमूद के फिल्म, टीवी सीरियल और ड्रामा लेखक रहीम सैय्यद के साथ बचपन की मित्रता है, रहीम सैय्यद की इच्छा के अनुसार जूनियर मेहमूद अल्तमश प्रोडक्शन की एक शॉर्ट फिल्म 'राम और श्याम' में अभिने करने के लिए खुशी खुशी राजी हो गए। 'राम और श्याम' एक सीधी सादी सी दो जुड़ा भाहियों की कहानी है, राम एक गरीब, इनामदार 'रिक्शा ड्राइवर' है तो श्याम उस के बिल्कुल उलट एक चोर, पॉकेट मार , दोनों अधेड़ उम्र होने के बाद भी अभी तक कुंवारे हैं, शादी नहीं हुई, उन के पड़ोस में एक बार गर्ल 'खुशबू' रहती है, दोनों भाई उस की सुंदरता को देख कर उसे अपनी बनना चाहते हैं, खुशबू का भी एक सपना है के उस के जीवन में भी कोई अच्छा आदमी आये और वो भी एक अच्छी ज़िंदगी जिए, 'राम और श्याम' दोनों सगे भाइयों राम और श्याम की ये इच्छा है , दोनों अपने अपने तरीके से चाल चलते हैं,कहानी चलती रहती है, श्याम हर हर कदम पर राम के रास्ते में कांटे बिचछता रहता है, बहुत सी बाधायें आती हैं, दोनों भाई में खुशबू किस को मिलती है, एक साधारण सी सरल सी कहानी में जूनियर मेहमूद में अपने डबल रोल में अपने अभिनय से दर्शकों के दिल तक पहुंचने की कोशिश की है। जूनियर मेहमूद के साथ टेलीविजन की सुंदर अभीनेत्री सना अली खान 'खुशबू' बनी है, एक दिल को छूने वाला किरदार 'निलोफर 'आयशा शेख', जो खुशबू की फ्रेंड है, आयशा शेख ने अपने अभिनय के साथ न्याय किया है, राम और श्याम में एक मासूम सा बच्चा 'अयान खान' भी अपनी मासूमियत से दिलों में जगह बनाता है।

प्रधानाचार्य मावल को निदेशक द्वारा 17 सीसीए में दिया गया आरोप पत्र न्याय की जीत: धर्मेन्द्र गहलोत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। प्रधानाचार्य राउमावि मावल आबुरोड द्वारा हजारीलाल वर्मा व.अ. को ससुचित अवकाश पर जाने के बावजूद क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर विधि विरूद्ध 17 सीसीए के नोटिस देने पर राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने मामले की शिकायत उच्च शिक्षा प्रशासन को करने पर विभागीय स्तर पर हुई जांच में प्रधानाचार्य मावल को विभागीय स्तर पर दोषी मानते हुए प्रधानाचार्य के विरूद्ध निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर ने 17 सीसीए में आरोप पत्र एवं आरोप विवरण पत्र जारी कर कार्यवाही प्रारम्भ कर दी। राजस्थान शिक्षक संघ, प्रगतिशील के प्रदेश मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने बताया कि हजारीलाल वर्मा व.अ. राउमावि मावल आबुरोड ने प्रधानाचार्य से अनुमति लेकर दिनांक 6.10.2021 को दिनांक 08.10.2021, 09.10.2021 एवं 11.10.2021 की कुल 3 दिन के आकस्मिक अवकाश का ऑन लाईन आवेदन एवं मुख्यालय छोडा था। दिनांक 11.10.2021 को वर्मा के

प्रधानाध्यापक पद हेतु आरपीएससी की परीक्षा थी जिसकी अनुमति विभाग से पूर्व में ही ले रखी थी। लेकिन बडे दुर्भाग्य की बात हैं कि मुख्यालय छोडकर जाने के बाद वर्मा को दुरभाष पर अनावश्यक परेशान करने की दृष्टि से प्रधानाचार्य ने आकस्मिक अवकाश निरस्त करने की जानकारी देकर शाला समय में तुरन्त पहुंच कर कार्यग्रहण करने के निर्देश दिये। जबकि प्रार्थी 600 किमी दूरस्त परीक्षा की अनुमति लेकर गये थे। जैसे दिनांक 12.10.2021 को प्रार्थी विद्यालय उपस्थित होता हैं प्रधानाचार्य द्वारा बिना कारण 'कारण बताओ नोटिस' के स्थान पर क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर 17 सीसीए का नोटिस थमा दिया। जो विभाग की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाता हैं। ससुचित अवकाश के बावजूद प्रधानाचार्य द्वारा शिक्षक का 4 दिन का वेतन तक रोक दिया जाना घोर तानाशाही को प्रकट की थी। जिस पर संगठन द्वारा मामले को लेकर मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर, जिला कलेक्टर सिरोही, संयुक्त निदेशक पाली एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही को अवगत कराये जाने पर व्यापक स्तर पर विभागीय जांच के बाद प्रधानाचार्य द्वारा 17 सीसीए में जारी नोटिस को अपास्त कर प्रधानाचार्य स्वयं को निदेशक द्वारा 17 सीसीए का आरोप पत्र एवं आरोप विवरण पत्र जारी कर विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ कर दी साथ ही हजारीलाल वर्मा का बकाया 4 दिन के वेतन भुगतान कर दिया हैं। मीडिया प्रभारी वर्मा ने बताया कि पीड़ित एवं प्रताड़ित शिक्षक के साथ विभागीय स्तर पर लम्बी लड़ाई के बाद न्याय की जीत पर जिला कार्यकारिणी एवं उपशाखा आबूरोड़ कार्यकारिणी ने खुशी जताई। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरूदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया साहस और दूरदर्शिता की पर्याय थी: पाठक

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने निराश्रित भवन पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जयंती मनाई। कार्यक्रम की शुरूआत राजमाता सिंधिया के चित्र पर पुष्पमाला अर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और निराश्रित भवन में निवासरत वृद्धों एवं बुजुर्गों को फल और बिस्किट बांटकर जयंती मनाई। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने कहा कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया का जन्म 12 अक्टूबर 1919 में हुआ था। राजमाता विजयाराजे भारतीय जनता पार्टी की संस्थापक सदस्य थी, उन्होंने भाजपा को अंचल सहित पूरे देश में मजबूत किया। खास तौर पर अंचल में उनका प्रभाव था, इसलिए उनकी वजह से ग्वालियर चंबल में भाजपा स्थापना के बाद से मजबूत होती गई। वह निडर और दयालु थी, उन्हें अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं से बहुत प्रेम और स्नेह था और युवा पार्षद दीपक शर्मा ने कहा कि हम बहुत गर्व महसूस करते हैं, क्योंकि राजमाता सिंधिया हमारे भिंड लोकसभा से सन 1971 में सांसद बनी थी। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत से ही हमारे भिंड जिले में साल दर साल विकास के लिए बहुत कुछ किया। राजमाता सिंधिया ने हमेशा कार्यकर्ताओं को बढ़ाने का सदैव कार्य किया है, इसीलिए राजमाता सिंधिया के किए हुए कार्य को भुला नहीं सकते।इस कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अमित चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष लवकुश परिहार, मंडल उपाध्यक्ष प्रतीक पांडे, भाजपा नेता शिवनंदन सिंह भदोरिया, प्रशांत तिवारी, रवि शर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। उक्त जानकारी अतुल रमेश पाठक ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

ओमप्रकाश सिंह भदौरिया की द्वितीय पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आरोग्य चेतना समिति के द्वारा आयोजित स्मृति शेष ओमप्रकाश सिंह भदौरिया की द्वितीय पुण्यतिथि पर उत्सव गेस्ट हाउस में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन डॉ. अरुण प्रताप सिंह भदौरिया व आनंद भदौरिया के संयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉ. शिव ओम अम्बर ने कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की व संचालन बाजपुर उत्तराखंड से आये विवेक बादल बाजपुरी ने किया! कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर किया गया! तथा डॉक्टर गरिमा पाण्डे ने मां बागीश्वरी की वंदना पढ़कर कवि सम्मेलन प्रारम्भ किया। बुलन्दी साहित्यिक संस्था के मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि डा शिव ओम अंबर कार्यक्रम क्रम को अपना आशीष देते हुए कहा लफ़्जों में टंकार बिठा लहजे में खुद्दारी रख। जीने की ख्वाहिश है तो मरने की तैयारी रख। श्रीमद्भगवद्गीता पढ़ युद्ध निरंतर जारी रखा। बाजपुर उत्तरा खण्ड से पधारे युवा प्रसिद्ध कवि विवेक बादल बाजपुरी ने अपने अंदाज में कुछ यों कहा कभी गोकुल की गलियां और राधेश्याम दिखते हैं। मुझे बस मां के चरणों में चारो धाम दिखते हैं। कन्नौज से पधारे ओम प्रकाश शुक्ल 'अज्ञात' ने जीवन के यथार्थ को चित्रित करते हुए कहा रोशनी के बीज बोये जग के लिए ढोते रहे तम का भार अपने लिए! कहते हैं प्रात के ये बुझते दिए, जलते हैं रात भर औरों के लिए फरुर्खाबाद के वरिष्ठ कवि बृजकिशोर सिंह किशोर ने अंतर्मन की पीड़ा दशार्ते हुये कहा वक्त से बेखौफ हो पंजा लड़ाते हैं। दोस्तों से चोट खाकर मुस्कराते हैं। कहकहों को बज्म में हैं बांटते यारों। आंसुओं को हम अकेले में बहाते हैं। कासगंज से पधारे निर्मल सक्सेना ने श्रोताओं को गुदगुदाते हुए कहा। मैं तुम्हें प्रीत करूँ तुम भी मुझे प्रीत करो। इतना गुस्सा नहीं अच्छा कि मन शीत हो जाए। मुझसे लड़ना नहीं आता है इलेक्शन बिल्कुल दिल की संसद में सनम मुझको मनोनीत करो। हरदोई से पधारे करुणेश दीक्षित सरल नें अंतर्मन की पीड़ा दशार्ते हुए कहा कभी जब याद में तेरी, छलक आती हैं ये आंखें। खुद को दोष देता हूं मगर निर्दोष होता हूं। डाक्टर गरिमा पांडेय लेखनी ने अपने गीत के माध्यम से समा बांधते हुए कहा कभी फुर्सत मिले तो प्रीति का पैगाम लिख भेजो। किसी उड़ते हुए कागज पे मेरा नाम लिख भेजो। रुद्रपुर उत्तरा खण्ड से पधारे नवीन आर्या (नवी) वर्तमान परिवेश में कटाक्ष करते हुए कहा कलयुग के इस कालचक्र में इंसा की क्या हस्ती है। किस्तों में चलती सांसे हैं जीवन से मौत सस्ती है। लखीमपुर से पधारे श्रीकान्त सिंह ने किसानों का दर्द वयां करते हुए कहा मंहगाई है चरम पर मंहगा हर सामान। लेकिन सस्ती हो गई है किसान की जान! फरुर्खाबाद के महेश पाल सिंह उपकारी ने सत्यता को उजागर करते हुऐ कहा भौंककर काटने वाले कम दुम हिलाकर काटने वाले बहुत हैं। अंगुलियों पर गिनने को रह गये हैं बात वाले लोग अब तो थूककर चाटने वाले बहुत हैं। रुद्रपुर,उत्तरा खण्ड से पधारे पंकज शर्मा ने माँ की ममता को उकेरते हुये कहा नापेगा ममता क्या दूरी हो तुम कुछ कम है दुनिया पूरी हो तुम। चलने को धरती चलती रहेगी, सृष्टि चलेगी जरूरी हो तुम। बरेली से पधारे पवन कुमार अंचल ने सुनाया खुशियों का मूल्य दे दर्द मोल लेता हुं क्या करूं स्वभाव ही मेरा कुछ ऐसा है। उपवन के फूलों को छोड़ शूल चुनता हूं, क्या करूं चुनाव ही मेरा कुछ ऐसा है। डॉ. अरुण प्रताप सिंह भदौरिया ने कहा अंतस के रावण का बध करना होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानून कायदों की धज्जियां उड़ा ठेकेदार नितीन बारीक द्वारा ओपन भूखंड पर बड़े पैमाने पर दो मंजिला छह व्यावसायिक गाले के रूप में किया गया है अवैध निर्माण

उक्त अनधिकृत बांधकाम पर क्यों मेहरबान है एल/विभाग मनपा ईमारती विभाग खाते के सहायक अभियंता नितीन केणी व कनिष्ठ अभियंता दिलीप जाधव

उक्त अनधिकृत अवैध निर्माण पर कब होगी कार्रवाई?

मुंबई हलचल / अजय उपाध्याय

मुंबई। एल/विभाग मनपा कुर्ला (प.) के कार्य क्षेत्र प्रभाग क्र.162 अंतर्गत महावीर शॉप गोल्डन नेस्ट हॉल ए. के .रोड सफेद पुल साकीनाका मुंबई. 400072 में कानून कायदों की धज्जियां उड़ा ठेकेदार नितीन बारीक द्वारा ओपन भूखंड पर बड़े पैमाने पर दो मंजिला छह व्यावसायिक गाले के रूप में किया गया है अवैध निर्माण। उक्त अनधिकृत बांधकाम पर क्यों मेहरबान है एल/विभाग मनपा ईमारती विभाग खाते के सहायक अभियंता नितीन केणी व कनिष्ठ अभियंता दिलीप जाधव। उक्त अनधिकृत अवैध निर्माण पर कब होगी कार्रवाई? कही ऐसा तो नही इस अवैध बांधकाम की सेटिंग नितीन बारीक ने सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता एल/विभाग से की है इसलिये इस अवैध बांधकाम को संरक्षण मिला है? दबंग ठेकेदार नितीन बारीक का कहना है कि इस अवैध बांधकाम को बड़े नेताओ का आशीर्वाद प्राप्त है और मेरी सेटिंग ऊपर तक है एल/विभाग ईमारती अभियंताओ को उनका हिस्सा दे दिया है किसी को दम नही है कि इस अवैध बांधकाम पर कार्रवाई करने की हिम्मत जुटा सके। उक्त अवैध बांधकाम की शिकायत सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल गफ्फार सुभेदार ने दिनांक 10/10/2022 को एल विभाग मनपा इमारत व कारखाने विभाग मे लिखित मे दी है मगर कारवाई के लिये टालमटाल किया जा रहा है। इसलिए मैं सहायक आयुक्त महादेव शिंदे जी से अपील करता हुं की इस विषय को संज्ञान में लेकर कार्रवाई का आदेश जारी करे।

सहायक अभियंता
नितीन केणी
एल/विभाग मनपा

ठेकेदारो का मसीहा इमारत मुकादम दत्ता पुकले के साथ दबंग ठेकेदार नितीन बारीक

कानपुर के यू पी किराना स्कूल से 2 छात्राएं लापतः अभिभावकों ने किया बवाल

मुंबई हलचल /सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जिले में कमसिन लड़कियों के गायब होने का सिलसिला लगातार जारी है इसी क्रम में यहां के यूपी किराना स्कूल से आठवीं की दो छात्राएं भी लापता हो गई है पुलिस उनकी तलाश कर रही है लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है इस घटना के विरोध में उनके अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा भी किया। वही पुलिस का दावा है कि गायब छात्राओं का पता लगाया जा रहा है। उन्हें जल्द ही बरामद कर लिया जाएगा। पुलिस सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक स्कूल में छुट्टी होने के बाद वे दोनों छात्राएं घर के लिए निकली थी लेकिन घर नहीं पहुंची। इधर जब अभिभावकों को जानकारी हुई तो वह तमाम लोगों के साथ यू पी किराना स्कूल किदवई नगर जा धमके और प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल भी किया। बाद में सूचना पर पहुंची पुलिस में उन्हें बड़ी मुश्किल से समझा-बुझाकर शांत कराया। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक यह पता नहीं चल पाया है कि छात्राएं किसके साथ और क्यों गायब हुई हैं। पुलिस ने बताया कि गायब हुई छात्राओं का पता लगाया जा रहा है। उन्हें जल्द ही बरामद कर लिया जाएगा।

मनुष्य शरीर परमात्मा का बनाया मंदिर, मांसाहार का सेवन कर इसे गंदा नहीं करें: पंकज महाराज

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर कस्बे में जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था के मुख्यालय मथुरा से संस्थाध्यक्ष एवं विश्व विख्यात संत बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के एकमात्र उत्तराधिकारी पूज्य पंकज जी महाराज के सानिध्य में निकली शाकाहार- सदाचार, मद्यनिषेध आध्यात्मिक जन जागरण यात्रा अपने 45वें पड़ाव जहाजपुर पहुँची तो यहाँ के नागरिकों ने भाव-विभोर होकर स्वागत द्वारों, बैण्ड बाजों, पुष्प वर्षा, आतिशबाजी आदि से भव्य स्वागत किया। आज जयगुरुदेव आश्रम जहाजपुर में सत्संग समारोह का आयोजन किया। सर्वप्रथम प्रान्तीय अध्यक्ष विष्णु कुमार सोनी, जिला मंत्री सुगन जाट, जिला कोषाध्यक्ष नारायण टांक, जिला मिडिया प्रभारी अनिल सोनी पत्रकार, नगर अध्यक्ष बालूराम खटीक, पंकज सेन, शिवराज सिंह, बालकृष्ण नागौरी, सत्यवान सोनी, अनिल जैन, रामस्वरूप स्वर्णकार, ओमप्रकाश स्वर्णकार, रामगोपाल टांक, रामप्रसाद टांक, सहित कस्बे के संगठन भारत विकास परिषद, नवयुवक कला मंडल संस्थान, खटीक समाज, स्वर्णकार समाज आदि ने पुष्पहार भेंटकर महाराज जी का स्वागत किया। पूज्य पंकज जी ने यहाँ अपने उद्बोधन में सतगुरु व सत्संग की महिमा, अनमोल मनुष्य शरीर पाने का उद्देश्य, शाकाहार अपनाने, शराब जैसी मादक वस्तुओं के त्यागने, अच्छे समाज के निर्माण, जीते जी प्रभु की प्राप्ति आदि विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा चोरासी लाख योनियों में मानव तन श्रेष्ठ है क्योंकि इसमें से प्रभु के पास

जाने का दरवाजा है। यह साधना का धाम है। दोनों आँखों के मध्य भाग में आत्मा विराजमान है। इसमें ऊपरी आन्तरिक मण्डलों को देखने की दिव्य दृष्टि (तीसरा नेत्र) तथा प्रभु के देश से आने वाली आकाशवाणियों, आसमानी आवाज सुनने का कान है। यह महापुरूषों का आध्यात्मिक विज्ञान है। इस कलियुग में अब पिछले युगों की साधनायें सम्भव नहीं, इसलिये सन्त सद्गुरूओं ने सुरत- शब्द योग (नामयोग) का रास्ता जारी किया जिसे बिना घर बार छोड़े गृहस्थ आश्रम में रहकर किया जा सकता है। उन्होंने 'साधन तीन सार उन बरने और साधन बोथे जान' पंक्तियों उद्धृत करते हुये सुरत- शब्द योग (नामयोग) साधना पर गहरा प्रकाश डाला और साधना के लिये नामदान भी दिया नामदान समझाते हुये कहा इस कलयुग में सुमिरन, ध्यान और भजन साधना के तीन अंग है। इसे पाकर सतगुरु की कृपा लेकर अपने जीवन को सफल बना लेना चाहिये। बाबा पंकज महाराज ने शाकाहार पर बल देते हुये कहा कि जब लोग ईंट-पत्थर के बनाये हुये मन्दिर -मस्जिद को साफ-सुथरा रखते हैं तो भगवान के बनाये हुये तनरूपी मंदिर में मांस, मछली, अण्डा व शराब डालकर गन्दा क्यों करते हैं? फिर इस गन्दे हुये शरीर से भगवान का भजन या खुदा की इबादत कैसे होगी? उन्होंने गुरु की महिमा पर बहुत प्रकाश डाला। गुरु को सर्वोच्च दयागार कहा। गुरु के बराबर कोई नहीं यहां तक कि सतनाम अनामी भी गुरु के आगे कुछ नहीं गुरु मेरे पूर्ण कृपा के आधार है मैं उन्हीं का गुण गाऊँगा। उनके नाम को रोशन करने में अपनी पूरी ताकत पूरा जीवन लगा दूंगा। जयगुरुदेव नाम की महिमा सुनाते हुये कहा कि यह नाम समय का जागृत एवं सिद्ध नाम है संकट की घड़ी में मददगार होगा। मौत के वक्त इस नाम को श्वांस, श्वांस पर याद करने पर मौत की पीड़ा कम होगी। यह 'जयगुरुदेव' नाम का जहाज हमारे गुरु महाराज बाबा जयगुरुदेव जी महाराज लगा कर गये हैं। इस जहाज पर जितने भी जीव चढ़ जायेंगे यह जहाज सबको पार उतारेगा। अभी आप क्या देखते हैं। 'जयगुरुदेव' नाम से ना जाने कितनी रूहें खेप की खेप भवपार चली जायेंगी। सारी दुनिया को शांति इसी नाम से मिलेगी एक दिन सारी दुनिया जयगुरुदेव नाम को याद करेगी। उन्होंने समाज में बढ़ती हिंसा, अपराध पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुये कहा भौतिक शिक्षा के लिये विश्वविद्यालय, कालेज, स्कूल खुले हुये है फिर भी समाज शराब की गिरफ्त में आता जा रहा है। इसलिये नई पीढ़ी के बच्चों में अच्छे संस्कार डालना बहुत जरूरी है। यह समय की मांग है। उन्होंने विख्यात सव बाबा जयगुरुदेव जी महाराज की वचन- वाणियों को याद कराते हुये कहा ऐ इंसानों। तुम अपने दीन-ईमान पर वापस आ जावों और इस मनुष्य मंदिर में बैठकर भगवान की सच्ची पूजा करो जिससे आपकी आत्मा दोजख व नरकों में जाने से बच जाय।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फेस पैक लगाने का तरीका...

हर कोई अपनी त्वचा को सुंदर बनाने के लिए कई तरह के मार्किट से मिलने वाले और कुछ घरेलू फेस मास्क और फेस पैक का इस्तेमाल करता हैं लेकिन मास्क का सही असर पाने के लिए इसे सही तरीके से लगाना बहुत जरूरी हैं। कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए।

➢अगर आप घर में बना फेस मास्क यूज कर रहे है तो हर बार ताजे पानी का इस्तेमाल करें। यदि आप बाजार से खरीदा उत्पाद प्रयोग कर रही है तो अपने फेस मास्क लगाने वाला ब्रश, रूई के फाहे और मुंह पोछने का कपड़ा साथ रखें।

➢मास्क लगाने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो कर साफ कर लें। इसके बाद अपनी त्वचा को स्क्रब की मदद से साफ करें। इससे त्वचा की मृत कोशिकाएं हट जाती हैं और मास्क अच्छी तरह से अवशोषित होता है।

➢ अपने चेहरे को 2 मिनट के लिए भाप दे, जिससे रोम छिद्र खुल जाएंगे। भाप देने के लिए साफ-सुथरे कपड़े को गर्म पानी में भिगोकर चेहरे को तब तक ढक ले, जब तक ठंडा न हो जाए।

➢अब ब्रश की मदद से फेस मास्क को चेहरे पर लगाएं। यदि आपके पास ब्रश न हो तो मास्क को हाथों से लगाने से पूर्व उन्हें अच्छी तरह से धो कर सुखा लें।

➢मास्क लगाने के बाद खीरे या आलू के टुकड़ों को आंखों पर रखें ताकि इनको शांति मिल सकें।

क्या आपका बच्चा भी बिस्तर गीला करता है?

बिस्तर गीला करना यानि पेशाब करना, यह समस्या बच्चों में आम देखी जाती हैं। अगर इस आदत पर ज्यादा ध्यान ना दिया जाए तो यह आदत आगे जाकर बच्चों के लिए समस्या बन सकती है। कई मां-बाप ऐसे होते हैं जो बच्चो को बिस्तर गीला करने पर डांटते हैं या फिर मारते है लेकिन यह ठीक नहीं हैं। आपके ऐसा करने पर बच्चे का आत्मविश्वास कमजोर होता है लेकिन ऐसा क्या करें जिससे बच्चा बिस्तर गीला करना बंद कर दें। आप इसके लिए कुछ घरेलू उपाय भी अपना सकते हैं।

गुड़ और तिल: बच्चों को गुड़ और तिल के लड्डू का सेवन कराने से उनकी बिस्तर पर पेशाब करने की आदत धीरे-धीरे छूट जाती है।

अखरोट और किशमिश: एक अखरोट की गिरी और 5 ग्राम किशमिश दोनों को मिला लें और बच्चो को लगभग 10 दिन तक इसका सेवन कराएं। यह काफी असरदार उपाय है।

जामुन की गुठली: एक चम्मच जामुन की गुटली के पाऊडर में एक चम्मच चीनी मिला लें और दिन में एक बार गुनगुने पानी के साथ बच्चे को इसका सेवन कराएं।

आंवला और जीरा: एक सूखा आंवला और जीरे का पाऊडर बना लें। दिन में दो बार इस बने मिश्रण को बच्चे को शहद के साथ चाटने को दें।

छुआरा और दूध: रात को सोने से पहले बच्चे को दूध के साथ छुआरा खाने को दें। इससे बच्चे का बिस्तर गीला करना काफी हद तक कम हो जाता है।

ध्यान रखें ये बातें

बच्चों को सोने से पहले अधिक पानी न पीने दें। चाय, कॉफी एवं ज्यूस न दें। बच्चों को पेशाब कर के सुलाएं। इसके अलावा रात में एक या दो बार उठाकर उन्हें पेशाब करवाएं।

लड़कियों की ये बातें लड़कों को दिलाती हैं गुस्सा

जमाना काफी मॉडर्न हो गया है। इस जमाने में लड़का-लड़की का गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड होना कोई चौकाने वाली बात नहीं है। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल जाती हैं और फिर बात शादी तक पहुंच जाती हैं लेकिन हर केस में ऐसा नहीं होता। कुछ रिश्ते जल्दी टूट जाते हैं, जिसका कारण पार्टनर का आपस में तालमेल ना होना है। कई बार लड़के को लड़की खूबसूरत तो लगती है लेकिन उसकी आदतें और बातें उन्हें पसंद नहीं आती। नतीजा धीरे-धीरे रिश्ते में दूरियां आने लगती हैं। अंत दोनों का रिलेशन टूट जाता है। अगर आप भी अपने ब्वॉयफ्रेंड से रोजाना ऐसी ही बातें दोहराती हैं तो जरा सतर्क हो जाएं।

1. सही तरह से ना बात करना
2. किसी और से नजदीकी बढ़ाना
3. बिना बात के झगड़ा
4. बातों पर रूचि न रखना
5. फ्रिक न करना

बाल चाहिए लंबे तो लगाएं प्याज का हेयर मास्क

ज्यादातर लड़कियां अपने बालों को लेकर परेशान रहती हैं। वह अपने बालों को लंबा करने के लिए न जाने कितने हेयर टिप्स को अपनाती हैं लेकिन फिर भी उन्हें कोई फर्क नजर नहीं आता। आज हम आपको प्याज के हेयर मास्क के बारे में बताएंगे जो आपके बालों को सिर्फ लंबा ही नहीं बल्कि शाइनी और मजबूती भी देगा।

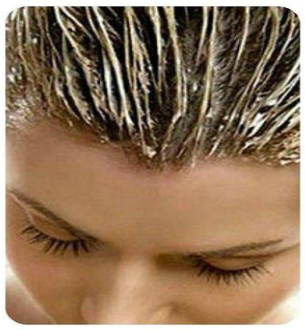

कैसे बनाएं हेयर मास्क

जरूरी सामान

➢ 1 बड़ा प्याज
➢2 चम्मच शहद
➢2 चम्मच आंवला पाऊडर
➢ 2 चम्मच जैतून का तेल
- 1/4 चम्मच काली मिर्च पाऊडर

बनाने का तरीका

➢ सबसे पहले प्याज को मिक्सी में ग्राइंड कर लें फिर एक छन्नी की मदद से प्याज का सारा रस एक कटोरे में निकाल लें।

➢ इसके बाद प्याज के रस में शहद, आंवला पाऊडर, जैतून का तेल, और काली मिर्च के पाऊडर को डाल लें और अच्छे से इसे मिक्स करके पेस्ट तैयार कर लें।

➢ इस बने हेयर मास्क को अपने बालों पर लगाएं और एक घंटे के बाद बालों को पानी से धो लें।

चुप रहने से भी आती है रिश्तों में दूरी...

शहद सा मीठा और इमली सा खट्टा होता है पति-पत्नी का रिश्ता, कभी प्यार भरी बातें, मान मनुहार तो कभी नोक झोंक, फिर भी कभी-कभी प्यार भरे इस रिश्ते में ऐसा मौन छा जाता है कि समझ में ही नहीं आता कि इसे तोड़ा कैसे जाए। वास्तव में नोक-झोंक कई बार उस मोड़ पर आ खड़ी होती है कि दोनों में बातचीत बंद हो जाती है, भले ही इसका कारण कई बार बहुत छोटा-सा होता है, फिर भी लंबे समय तक की खामोशी इस रिश्ते में कड़वाहट ला कर उसे तोड़ देने के लिए काफी होती है। यदि संबंधों में आई उस कड़वाहट, संवादहीनता और मौन को समय रहते दूर कर लिया जाए तो परिवार के बिखराव का डर नहीं रहता। यदि पति पत्नी में से एक शांत और दूसरा तेज स्वभाव वाला हो तो दोनों के बीच संतुलन बना रह सकता है, परंतु यदि दोनों ही स्वभाव से तेज एवं गुस्से वाले हों तो वैचारिक टकराव के साथ-साथ शाब्दिक टकराव भी उठ खड़ा होता है, जो कि कई बार लंबे मौन का रूप तैयार कर लेता है।

मौन का कारण

आमतौर पर पति पत्नी के बीच कुछ ऐसी बातें हर घर में हो जाती हैं, जो कि संबंधों में मौन का कारण बन जाती हैं, जिन्हें समय रहते ही दूर कर लिया जाना बेहद जरूरी है।

निशाना दूसरे क्यों

अक्सर पति पत्नी आपसी मन मुटाव का शिकार एक दूसरे के परिवार के सदस्यों को बना लेते हैं और अपने दिल की भड़ास एक-दूसरे के परिवार के सदस्यों के विरोध में बोल कर निकालते हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जो कि बात को शांत करने की अपनेक्षा और ज्यादा बढ़ा देता है और एक की कही बात दूसरे के दिल में कहीं गहरे तक जा कर चोट करती है। अतः लड़ते समय या बहस के दौरान आप दूसरों को निशाना ना बनाएं, क्योंकि वास्तव में वे तो आपके मुटाव में कहीं शामिल भी नहीं होते।

अहं बने कारण

पति-पत्नी के बीच जब किसी भी चीज को ले कर अहं भाव का आ जाता है, तो फिर वह प्यार की सीमा लांघ कर अहंकार बन जाता है। ऐसे में कई बार पति या पत्नी दूसरों के सामने भी एक दूसरे का अपमान कर देते है, जिससे कि दूसरे के स्वाभिमान को ठेस लगना स्वाभाविक सी बात है। ध्यान रखें कि पति पत्नी के संबंधों में अहंकार नहीं, बल्कि स्वाभिमान होना चाहिए।

दोस्त बनें दीवार

पति-पत्नी का एक दूसरे के उन दोस्तों एवं सहेलियों को ले कर विवाद होना बेहद आम सी बात है, परंतु हर समय इस टॉपिक पर सामने वाले को टोकना या नीचा दिखाना पारिवारिक माहौल को खराब कर देता है, सो बेहतर है कि अपने रिश्ते को बचाए रखने के लिए वे अपने दोस्तों को कम तरजीह दें क्योंकि परिवार की शांति से बढ़ कर कुछ नहीं होता। यदि आप की मित्र मंडली आपके वैवाहिक जीवन में जहर घोल रही है, तो दोस्तों को एक सीमा तक ही महत्व देना सही रहेगा।

निर्णय लादना

पति-पत्नी होने के बावजूद भी हर किसी का अपना व्यक्तित्व है, सो किसी भी बात को ले कर एक दूसरे पर अपना ही निर्णय थोपने का प्रयास न करें, क्योंकि हर कोई अपने जीवन को अपने ढंग से जीना चाहता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

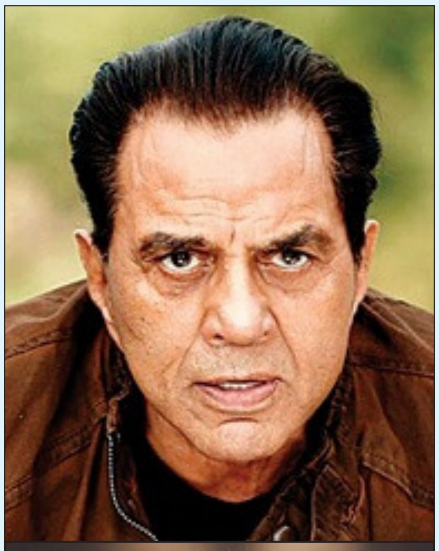

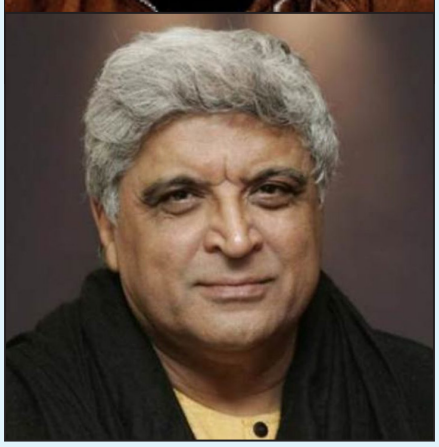

जावेद अख्तर पर भड़के धर्मेंद्र

बॉलीवुड के हीमैन कहे जाने वाले अभिनेता धर्मेंद्र अचानक से सुर्खियों में आ गए है। वैसे तो अभिनेता किसी भी तरह के विवाद में उलझते नहीं है मगर इस बार उन्होंने लेखक जावेद अख्तर के एक बयान पर जबरदस्त पलटवार किया है जिसकी वजह से वो चर्चा का विषय बन गए है। जावेद अख्तर ने अमिताभ बच्चन की सुपरहिट फिल्म जंजीर को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि इस फिल्म के फिल्म के लिए अमिताभ नहीं बल्कि धर्मेंद्र पहली पसंद थे। इस बयान पर एक्टर धर्मेंद्र ने सोशल मीडिया पर पलटवार किया है। दरअसल, हाल ही में एक इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने बताया कि अमिताभ बच्चन असल में जंजीर के लिए आखिरी पसंद थे। फिल्म की स्क्रिप्ट धर्मेंद्र जी के लिए लिखी गई थी, लेकिन बाद में किसी वजह से उन्होंने इस पर काम करने से मना कर दिया। प्रकाश मेहरा पहली बार किसी फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने उससे पहले सिर्फ डायरेक्शन किया था। उन्होंने आगे कहा कि ह्यजंजीर में कोई रोमांस एंगल या कॉमेडी वाला पुट नहीं था। पहले फ्रेम से लेकर आखिरी फ्रेम तक हीरो को एक बहुत ही गंभीर और अक्खड़ इंसान की तरह दिखा जाता है। उस समय स्क्रीन पर इस फिल्म से पहले ऐसा कभी नहीं देखा गया था, इसलिए जाहिर है कि यह रोल इतना अलग था कि सभी ने इसके लिए मना कर दिया। जावेद के इस बयान के बाद धर्मेंद्र ने पलटवार करते हुए एक साथ दो ट्वीट किए है। धर्मेंद्र ने अपने पहले ट्वीट में लिखा, जावेद, कैसे हो। दिखावे की इस दुनिया में हकीकत दबी रह जाती है। जीते रहो, दिलों को गुदगुदाना खूब आता है। काश सिर चढ़ के बोलने का जादू भी सीख लिया होता। दूसरे ट्वीट में उन्होंने लिखा, जंजीर को ठुकराना एक भावुक करने वाला मुद्दा था, जिसके बारे में मैंने आप की अदालत में बात की है। इसलिए मुझे गलत मत समझना। मुझे जावेद और अमित दोनों से बहुत प्यार है।

पापा बोनी कपूर की फिल्म में काम करेंगी जान्हवी

बॉलीवुड की मोस्ट पॉपुलर स्टारकिड में से एक जान्हवी कपूर अपनी फिल्मों के साथ साथ अपने ग्लैमरस अंदाज और बोल्ड अवतार के लिए जानी जाती है। जान्हवी कपूर काफी खूबसूरत है और उनके एक से बढ़कर एक हॉट लुक्स पर से नजरें हटा पाना काफी मुश्किल है। जान्हवी कपूर की कुछ समय पहले फिल्म 'गुड लक जेरी' रिलीज हुई जिसमें उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई। इसके बाद अब जान्हवी कपूर की अपकमिंग फिल्म की चर्चा भी तेज है, जिससे एक्ट्रेस का पहला लुक भी अब सामने आ गया है जान्हवी कपूर एक के बाद एक सफलता के नए नए आयामों को छू रही है। जान्हवी कपूर को लेकर बातें कही जाती थी कि वो खूबसूरत तो है, लेकिन जान्हवी एक्टिंग नहीं कर पाती। जान्हवी की कई फिल्मों के लिए उन्हें एक्टिंग को लेकर काफी ट्रोल भी किया गया लेकिन फिल्म 'गुड लक जेरी' में अपने शानदार अभिनय से उन्होंने तमाम ट्रोलर्स की बोलती बंद कर दी और अब इसके बाद जान्हवी कपूर पहली बार अपने पिता बोनी कपूर की फिल्म 'मिली' में नजर आने वाली है।

इस पंजाबी एक्ट्रेस को डेट कर रहे हैं बादशाह!

बॉलीवुड के फेमस सिंगर और रैपर बादशाह अपनी लव लाइफ को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। अपनी पहली शादी टूटने के बाद से रैपर काफी वक्त से सिंगल का टैग लिए घूम रहे थे। मगर अब बादशाह की लाइफ में एक खूबसूरत लड़की ने एंट्री ले ली है। वहीं अब सबके फेमस बादशाह के ऊपर से सिंगल का टैग भी हट गया है क्योंकि बादशाह एक पंजाबी एक्ट्रेस को डेट कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, रैपर बादशाह एक खूबसूरत पंजाबी अदाकारा ईशा रेखी को डेट कर रहे हैं। कहा तो जा रहा है कि दोनों पिछले एक साल से एक दूसरे के साथ हैं मगर दुनिया से अभी दोनों अपने रिलेशनशिप को छुपा रहे हैं। बता दें कि कुछ वक्त पहले ही बादशाह वेब सीरीज फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स के सीजन 2 में नजर आए थे। सीरीज में उन्होंने करण जौहर से बात करते हुए खुद को सिंगल बताया था। खबरों के अनुसार, पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रेखी ने बादशाह और अपने रिलेशनशिप के बारे में अपनी फैमली को भी बता दिया है। वहीं इन दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड की पार्टी में हुई थी जिसके बाद इन दोनों के बीच दोस्ती हो गई और धीरे-धीरे से दोस्ती प्यार में बदल गई। फिलहाल इन दिनों दोनो रिलेशनशिप में हैं। बादशाह अपनी पर्सनल लाइफ को लो प्रोफाइल रखना पसंद करते हैं इसलिए उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड ईशा के साथ अपने रिश्ते को पब्लिक नहीं किया है।